भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4590
जिसका उत्तर मंगलवार, 21 अप्रैल, 2015 को दिया जाना है

भेल में वित्तीय संकट

4510. डॉ. सुभाष रामराव भामरे:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) काफी विलंव वाली विद्युत परियोजनाओं से नए आर्डर नहीं मिलने के कारण संकटपूर्ण स्थिति का सामना कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या विद्यमान परियोजनाएं भी वित्तीय कठिनाइयों के कारण धीमी गति से चल रही है अथवा लंबित कर दी गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे है?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): विद्युतकेपिटल गुड्स से संबंधित घरेलू विनिर्माण उद्योग/इलेक्ट्रिकल उपकरण/, जिसका भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) एक भाग है, भारतीय विद्युत सेक्टर में मंदी के साथ2011 साथ रुके हुए औद्योगिक कार्यकलाप के कारण--से कठिन समय से गुजर रहा है। 12 इसके बहुत से कारण हैं जिनमें अन्य के साथ निम्नलिखित शामिल हैं :

- भूमि,कोयलाईंधन संपर्को/, पर्यावरणीय मंजूरी आदि जैसी समर्थ बनाने वाली आवश्यकताओं की अनुपलब्धतार बाजार अवरोधों के कारण घरेलू विद्युत सेक्ट/कमी से संबंधित मसलों/अधिग्रहण/ हो रहे नए ऑर्डरों में तेजी से कमी आना।में परिपक्व
- ऑर्डरों का आस्थगित होना अथवा उनहें रोक लिया जाना।
- कमजोर निवेश वातावरण तथा ऋणप्रदाता संस्थाओं की तरफ से वित्त देने में अडचनें।
- भुगतान करने में उपभोक्ताओं की मजबूरियां जिनसे कुछ विद्युत परियोजनाओं की प्रगति में रुकावट।

- हाल के वर्षों में विशेष रूप से चीने से इलेक्ट्रिकल उपकरण के आयातों में तीव्र बढोतरी, जिसके फलस्वरूप घरेलू विद्युत उपकरण विनिर्माताओं को व्यवसाय में हानि हो रही है।
- विदेशी आपूर्तिकर्ताओं विनिर्माताओं की तुलना में घरेलू उद्योग द्वारा सामना किए जा रही / अवसंरचना संबंधी कमियों सहित समान अवसर की कमी।
- वैश्विक मंदी, राजनीतिक हलचल, सीरिया और यमन जैसे देशों में सशस्त्र संघर्ष जिसके फलस्वरूप निर्यात आदि के लिए मांग में कमी आई।

उपर्युक्त कारणों से बीएचईएल जो विद्युत उपकरण क्षेत्र में घरेलू बाजार में एक प्रमुख कंपनी है, सहित इस क्षेत्र के घरेलू विनिर्माताओं की क्रयादेश बुकिंग की स्थिति के बुरी तरह प्रभावित होने के साथ ही प्रभावित होने के साथ ही इनका क्षमता उपयोग भी कम हुआ है।

(ग) उपभोक्ताओं द्वारा सुपुर्दगियों के लिए भुगतान जारी करने में अवरोध तथा उनके द्वारा सामना की जा रही अन्य बाधाओं के कारण कुछ विद्यमान विद्यत परियोजनाएं धीमी गति से चल रही हैं या लंबित कर दी गई हैं जिससे इन परियोजनाओं की प्रगति में कमी आई है।

(घ) फिलहाल (अर्थात अप्रैलमें 2015 मध्य-), लगभग 12,मेगावाट की घरेलू यूटिलिटी विद्युत 000 परियोजनाएं, जिनमें बीएचईएल आपूर्तिकर्ताठेकेदार के रूप में शामिल हैं/, में कार्यों की प्रगति मुख्य रूप से उपभोक्ता(उपभोक्ताओं)/परियोजना डेवलपर (डेवलपरों) से वित्तीय अवरोधों के कारण प्रभावित हुई है।

भारी उद्योग विभाग तथा विद्युत मंत्रालय बीएचईएल के साथ नियमित रूप से समीक्षा बैठकें करता है तथा अन्य सरकारी एजेन्सियों ओं आदि के साथ मसले उठाने में उपयुक्तउपभोक्ता/मंत्रालयों/विभागों/ क समर्थन देता है।म से आवश्यक्षेपों के माध्य:अंत